

---

# Shri Madhyarjuneshvara Stutih

श्रीमध्यार्जुनेश्वरस्तुतिः

## Document Information

---

Text title : Madhyarjuneshvara Stutih

File name : madhyArjuneshvarastutiH.itx

Category : shiva, stuti

Location : doc\_shiva

Transliterated by : Brahmashri Balaji Dvivedi

Proofread by : Balaji Dvivedi

Description/comments : From Tamil text Madhyarjuna Mahatmyam

Latest update : March 31, 2026

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

March 30, 2026

*sanskritdocuments.org*

---

---

## Shri Madhyarjunesvara Stutih

---

श्रीमध्यार्जुनेश्वरस्तुतिः

---



मैथिल उवाच ।

नतोऽस्मि देवाय गिरीन्द्रवासिने  
गिरीशकन्यार्द्धशरीररूपिणे ।  
कालायकल्पायत्रिलोचनाय  
मध्यार्जुनेशाय नमश्शिवाय ॥ १ ॥

गणसुरान्ताय मंडोदराय  
यादुदाय यादुडीशनताय शम्भो ।  
सद्भक्तसंरक्षणदीक्षिताय  
मध्यार्जुनेशाय नमश्शिवाय ॥ २ ॥

ब्रह्मेन्द्रविष्वर्कनिशीशपूर्व  
गीर्वाणवर्चस्वितविग्रहाय ।  
कल्याणदेहाय सदाशिवाय  
मध्यार्जुनेशाय नमश्शिवाय ॥ ३ ॥

भवाम्बिपोताय भवान्तकाय  
भवाय भर्त्रे भवभव्यरूपिणे ।  
भवाय भानुस्तुतितोषकाय  
मध्यार्जुनेशाय नमश्शिवाय ॥ ४ ॥

वृषाय विष्ववर्चितविग्रहाय  
पापायलच्छेदकुठाररूपिणे ।  
समस्तकल्याणगुणाकराय  
मध्यार्जुनेशाय नमश्शिवाय ॥ ५ ॥

यज्ञाय ओधाय कृलाय शाम्भवी  
प्रमोदसम्मोदकराय यश्वने ।  
उपदिने तत्पुरुषाय धीमते

मध्यार्जुनेशाय नमश्शिवाय ॥ ६ ॥

अघोरदेवाय सडस्रकर्त्रे

नित्याय नान्ताय वृषध्वजाय ।

वृषेन्द्रवाडाय वृषाय मायिने

मध्यार्जुनेशाय नमश्शिवाय ॥ ७ ॥

उग्राय मध्याय त्रिलोयनाय

सिद्धाय शुद्धाय शिवाय श्रीमते ।

लोकान्तराय प्रभवे नयाय

मध्यार्जुनेशाय नमश्शिवाय ॥ ८ ॥

पापौघविध्वंसनदीक्षिताय

कृपासमुद्राय त्रियम्भकाय ।

कामादिशत्रुच्छिदिदीक्षिताय

मध्यार्जुनेशाय नमश्शिवाय ॥ ९ ॥

भवाटवीमेघवडाय तुभ्यं

दुर्दानसूर्याय सदाशिवाय ।

निस्सीममूर्ते सकलार्थदायिने

मध्यार्जुनेशायनमश्शिवाय ॥ १० ॥

छायाय शिष्टाय सुगन्धकाय

भृडत्तुयानन्दकराय तुभ्यम् ।

निरस्तदोषाय कुमारपित्रे

मध्यार्जुनेशाय नमश्शिवाय ॥ ११ ॥

पित्रे य मात्रे गुरवे सुबन्धवे

मित्राय कान्ताय महोन्नताय ।

कलिच्छिटे मारकमारकाय

मध्यार्जुनेशायनमश्शिवाय ॥ १२ ॥

शम्भो विभो पावन साम्भनाथ

गिरीश नित्याप्यय निर्विकार ।

श्रीकण्ठविश्वेश्वरमङ्गलामङ्ग

मध्यार्जुनेशसकलार्थदशान्तमूर्ते ॥ १३ ॥

॥ ष्टि श्रीमध्यार्जुनेश्वरस्तुतिः सम्पूर्णा ॥

Encoded from Tamil and proofread by Brahmashri Balaji Dvivedi

---

*Shri Madhyarjuneshvara Stutih*

pdf was typeset on March 30, 2026

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

